This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8912**

Unique Paper Code : **2101401** **F-4**

Name of the Paper : **Indian Philosophy-II**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. According to Dignāga, 'the object to be cognized has only two aspects'. Discuss.

दिग्नाग के अनुसार, 'वह पदार्थ जो ज्ञेय है उसके केवल दो आकार हैं।' चर्चा कीजिए।

P.T.O.

2. State the *Vādavidhi* definition of perception. Examine Dignāga's critique of this definition.

वादविधि के प्रत्यक्ष सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए। इस परिभाषा के दिग्नाग द्वारा प्रस्तावित खंडन की परीक्षा कीजिए।

3. Describe the arguments advanced by Dignāga against the Nyāya theory of perception.

न्याय के प्रत्यक्ष सिद्धान्त के खंडन में दिग्नाग द्वारा प्रस्तावित तर्कों की व्याख्या कीजिए।

4. Evaluate Dignāga's response to the Vaiśeṣika theory of perception.

वैशेषिक के प्रत्यक्ष सिद्धान्त पर दिग्नाग की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन कीजिए।

5. Explain the main arguments advanced by Dignāga against the Sāṁkhya theory of perception.

सांख्य के प्रत्यक्ष सिद्धान्त के खंडन में दिग्नाग द्वारा प्रस्तुत मुख्य तर्कों की व्याख्या कीजिए।

6. Is the Mīmāṁsā theory of perception acceptable to Dignāga ? Discuss.

क्या मीमांसा के प्रत्यक्ष सिद्धान्त दिग्नाग को स्वीकार्य है ? चर्चा कीजिए।

7. Write short notes on any *two* :

(*i*) Conceptual construction

(*ii*) Sense-object contact

(*iii*) Means of knowledge

(*iv*) The four causal factors in cognition.

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) कल्पना

(*ii*) इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष

(*iii*) प्रमाण

(*iv*) ज्ञान के चार कारणभूत तत्व।